DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

11 September, 2023

भारत-मध्य पूर्व-पूर्वी यूरोप आर्थिक गलियारा

संदर्भ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाले आर्थिक गलियारे की शुरुआत की घोषणा की है।

- भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) की घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने G20 भारत शिखर सम्मेलन में की थी।
- IMEC का लक्ष्य भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच आर्थिक संपर्क स्थापित करना है।
- यह पाकिस्तान द्वारा भूमार्ग देने से मना करने और इस क्षेत्र में चीन की कनेक्टिविटी योजनाओं द्वारा उत्पन्न बाधाओं को संबोधित करेगा।
- आईएमईसी में भारत को खाड़ी क्षेत्र से जोड़ने वाला एक पूर्वी गलियारा और खाड़ी क्षेत्र को यूरोप से जोड़ने वाला एक उत्तरी गलियारा शामिल है।
- इस गलियारे में रेलवे, जहाज-रेल पारगमन और सड़क परिवहन मार्ग शामिल हैं।
- आईएमईसी पर एमओयू पर भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, यूएई, यूरोपीय संघ, इटली, फ्रांस और जर्मनी ने हस्ताक्षर किए हैं।
- बेहतर कनेक्टिविटी को व्यापार बढ़ाने और राष्ट्रों के बीच विश्वास बनाने के साधन के रूप में देखा जाता है।
- जी20 दिल्ली घोषणापत्र में यूक्रेन जैसे विवादास्पद मुद्दों को संबोधित किया गया और वैश्विक आर्थिक संकट पर संघर्षों के प्रभाव को स्वीकार किया गया।

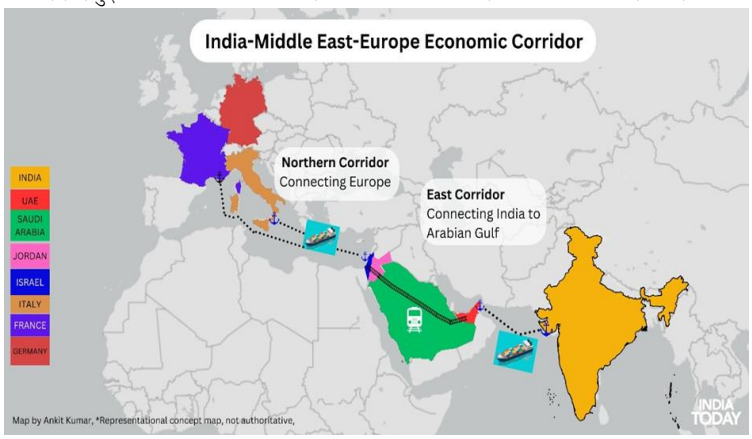

परियोजना: महाद्वीपों एवं सभ्यताओं में एक हरित और डिजिटल सेतु

- यह रेल और शिपिंग कॉरिडोर ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट (पीजीआईआई) के लिए साझेदारी का एक हिस्सा है, जिसमें विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए जी 7 देश शामिल हैं।
- पीजीआईआई को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है।
- गलियारे का प्राथमिक उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के बीच ऊर्जा उत्पादों के व्यापार को सुविधाजनक बनाना है।
- इसे चीन के बुनियादी ढांचे कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी प्रतिकार माना जाता है, जो दुनिया के साथ चीन की आर्थिक कनेक्टिविटी को बढ़ाना चाहता है।
- गलियारे में रेलवे कनेक्शन, एक बिजली केबल, एक हाइड्रोजन पाइपलाइन और एक हाई-स्पीड डेटा केबल सहित विभिन्न घटक शामिल होंगे।

आवश्यकता

- **समृद्धि में वृद्धि:** गलियारे से ऊर्जा और डिजिटल संचार के प्रवाह को सुविधाजनक बनाकर भाग लेने वाले देशों के बीच समृद्धि बढ़ने की सम्भावना है।
- **बुनियादी ढाँचा विकास:** इसका उद्देश्य निम्न और मध्यम आय वाले देशों में बुनियादी ढाँचे की कमी को दूर करना है, जो उनके आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।
- **क्षेत्रीय स्थिरीकरण**: यह परियोजना मध्य पूर्व से उत्पन्न होने वाली अशांति और असुरक्षा को कम करने में मदद कर सकती है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान मिलेगा।

यह परियोजना अपनी विशेषताओं के कारण भाग लेने वाले देशों और वैश्विक समुदाय दोनों को आकर्षित कर रही है:

- **पारदर्शिता:** परियोजना खुले तौर पर और पारदर्शी तरीके से संचालित होगी।
- **उच्च मानक**: यह विकास और शासन के उच्च मानकों का पालन करेगी।
- **गैर-दबावपूर्ण प्रकृति:** इसमें दबाव की रणनीति शामिल नहीं है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक स्वीकार्य बनाती है।

भारत मंडपम सांस्कृतिक गलियारे में कलाकृतियाँ

संदर्भ: G20 स्थल का गलियारा सभी G20 देशों की सांस्कृतिक कृतियों से सुसज्जित था।
गलियारे की कुछ कलाकृतियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

- **ऋग्वेद की पांडुलिपियाँ:**
  - **समयावधि**: प्राचीन काल
  - **उत्पत्ति देश**: भारत
  - **विवरण:** ऋग्वेद की प्राचीन पांडुलिपियाँ, जो हिंदू धर्म के सबसे पुराने पवित्र ग्रंथों में से एक है।
  - **महत्व**: भारत की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **मोना लिसा की एक एनामॉर्फिक डिजिटल छवि:**
  - **समयावधि:** 16वीं शताब्दी (पेंटिंग)
  - **उत्पत्ति देश**: फ़्रांस
  - **विवरण:** लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग है।
  - **महत्व:** यह फ्रांस की सांस्कृतिक विरासत की प्रतिष्ठित कलाकृति को प्रदर्शित करता है।
- **यूनाइटेड किंगडम से मैग्ना कार्टा की एक दुर्लभ प्रति:**
  - **समय अवधि**: 1215 (दस्तावेज़)
  - **उत्पत्ति देश**: यूनाइटेड किंगडम
  - **विवरण**: ऐतिहासिक मैग्ना कार्टा की एक मूल प्रति, जिस पर 1215 में हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें अधिकारों और स्वतंत्रता पर जोर दिया गया था।
  - **महत्व**: संवैधानिक कानून के विकास में यूनाइटेड किंगडम के योगदान का प्रतीक।
- **अमेरिका के स्वतंत्रता चार्टर की प्रमाणित मूल प्रतियाँ:**
  - **समयावधि:** 18वीं शताब्दी (दस्तावेज़)
  - **उत्पत्ति देश:** संयुक्त राज्य अमेरिका
  - **विवरण**: स्वतंत्रता की घोषणा, संविधान और अधिकारों के विधेयक सहित मूल दस्तावेज़।
  - **महत्व:** संयुक्त राज्य अमेरिका के लोकतंत्र और स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डालता है।
- **भारत से पाणिनि का व्याकरण ग्रंथ "अष्टाध्यायी":**
  - **समयावधि**: लगभग 500 ईसा पूर्व (पाठ)
  - **उत्पत्ति का देश:** भारत
  - **विवरण:** पाणिनि की अष्टाध्यायी, संस्कृत व्याकरण और नियमों की व्याख्या करने वाली एक भाषाई रचना है।
  - **महत्व:** यह भारत की भाषाई विरासत और प्राचीन विद्वानों के योगदान को दर्शाती है।
- **डिजिटल प्रारूप में मध्य प्रदेश की भीमभेटका गुफा पेंटिंग:**
  - **समयावधि:** प्रागैतिहासिक
  - **उत्पत्ति देश**: भारत
  - **विवरण:** भीमभेटका, मध्य प्रदेश, भारत से प्राचीन गुफा चित्रों का डिजिटल प्रतिनिधित्व।
  - **महत्व:** भारत की प्रागैतिहासिक कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है।
- **गुटेनबर्ग बाइबिल:**
  - **समयावधि**: 15वीं शताब्दी
  - **उत्पत्ति देश**: जर्मनी
  - **विवरण:** चल प्रकार का उपयोग करके 1455 में मेनज़, जर्मनी में मुद्रित सबसे प्रारंभिक पुस्तक।
  - **महत्व**: मुद्रण के इतिहास में एक मील का पत्थर और एक प्रतिष्ठित सांस्कृतिक खजाना मानी जाती है।
- **अब्राहमिक फैमिली हाउस:**
  - **समयावधि**: आधुनिक
  - **उत्पत्ति का देश**: संयुक्त अरब अमीरात
  - **विवरण:** अबू धाबी के सादियात द्वीप पर स्थित एक इंटरफेथ कॉम्प्लेक्स, जो धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देता है।
  - **महत्व:** अंतरधार्मिक संवाद और सहिष्णुता के प्रति यूएई की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।
- **कोसोडे:**
  - **समयावधि:** पूर्व-आधुनिक
  - **उत्पत्ति देश:** जापान
  - **विवरण:** एक छोटी बाजू का परिधान, जो किमोनो का पूर्ववर्ती है, जो जापान के पारंपरिक कपड़ों का प्रतिनिधित्व करता है।
  - **महत्व:** जापान की समृद्ध कपड़ा और फैशन विरासत को प्रदर्शित करता है।
- **फ़हुआ-ढक्कन वाला जार:**
  - **समयावधि:** मिंग राजवंश (1368-1644)
  - **उत्पत्ति का देश:** चीन
  - **विवरण**: मिंग राजवंश से जुड़ी एक कलाकृति, जो जटिल सिरेमिक डिजाइन प्रदर्शित करती है।
  - **महत्व:** सिरेमिक कलात्मकता में चीन की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

11 September, 2023

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन

संदर्भ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति बिडेन, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा, बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना और इटली की प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी जैसे वैश्विक नेताओं के साथ जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान गठबंधन का शुभारंभ किया।

- **जी-20 शिखर सम्मेलन में लॉन्च:** जैव ईंधन की स्थिर आपूर्ति, सामर्थ्य और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन को जी-20 शिखर सम्मेलन में लॉन्च किया गया था।
- **जलवायु परिवर्तन फोकस:** यह प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बिडेन जैसे नेताओं के समर्थन के साथ, जलवायु परिवर्तन से निपटने और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के प्रयासों के साथ संरेखित है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:** जैव ईंधन बायोमास से प्राप्त नवीकरणीय ऊर्जा है, जो एक स्थायी ऊर्जा संक्रमण में योगदान करती है।
- **वैश्विक सहयोग:** गठबंधन दुनिया भर में जैव ईंधन कार्यक्रमों के लिए वैश्विक सहयोग, बाजार को मजबूत करने और तकनीकी सहायता को बढ़ावा देता है।
- **भारत की पहल:** भारत का प्रस्ताव जैव ईंधन की तैनाती में तेजी लाता है और 2070 तक तेल आयात को कम करने और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के अपने प्रयासों के अनुरूप है।
- **ऊर्जा परिवर्तन की कुंजी:** यह वैकल्पिक ईंधन को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जैव ईंधन

- **रासायनिक संरचना:** जैव ईंधन में जैविक स्रोतों से प्राप्त हाइड्रोकार्बन होते हैं।
- **फीडस्टॉक परिवर्तनशीलता**: इनके गुण फीडस्टॉक के आधार पर भिन्न होते हैं (उदाहरण के लिए, वनस्पति तेल से बायोडीजल)।
- **जैव रासायनिक रूपांतरण**:इसे किण्वन या ट्रांसएस्टरीफिकेशन के माध्यम से उत्पादित किया जाता है।
- **कार्बन न्यूट्रल**: फीडस्टॉक अवशोषण द्वारा संतुलित CO2 उत्सर्जन।
- **ऊर्जा घनत्व:** जीवाश्म ईंधन से कम, जिससे प्रदर्शन पर असर पड़ता है।
- **सम्मिश्रण अनुपात**: उत्सर्जन नियंत्रण के लिए पारंपरिक ईंधन के साथ मिश्रित।
- **ऑक्टेन और सेटेन रेटिंग:**यह इंजन के प्रदर्शन और दक्षता को प्रभावित करते हैं।
- **शीत प्रवाह गुण:** ठंड के मौसम में जेलिंग की समस्या के लिए एडिटिव्स (**योगात्मक पदार्थ**) की आवश्यकता हो सकती है।
- **जल सामग्री**: इसकी हाइग्रोस्कोपिक प्रकृति के कारण जल नियंत्रण की आवश्यकता होती है।
- **फीडस्टॉक स्थिरता:** पर्यावरणीय प्रभाव के लिए जिम्मेदार सोर्सिंग महत्वपूर्ण है।
- **इंजन अनुकूलता:** इसके लिए कुछ इंजनों में संशोधन की आवश्यकता हो सकती है।
- **बायोडिग्रेडेबिलिटी:** जैव ईंधन बायोडिग्रेडेबल हैं।
- **उत्सर्जन में कमी:** जीवाश्म ईंधन की तुलना में कम कार्बन पदचिह्न।

Generation	Definition	Source Material	Greenhouse Gas Emissions
1st	Produced from edible items like sugar, corn, starch	Corn, Sugarcane, Edible Plants	Higher carbon content and emit greenhouse gases
2nd	Produced from leftover food crops like rice husk, wood chips	Agricultural Residues, Non-edible Biomass	Greenhouse gas emissions lower than 1st generation biofuels
3rd	Produced from microorganisms like algae	Algae, Microorganisms	Carbon Neutral (CO2 emitted equals CO2 sequestered)
4th	Produced from genetically engineered crops like GM crops	Genetically Modified Crops	Carbon Negative (captures more CO2 than emitted)

NEWS IN BETWEEN THE LINES

स्पिनी लिजार्ड

स्पिनी लिजार्ड (नीलगिरि स्पिनी लिजार्ड): स्पिनी लिजार्ड एक प्रकार की छिपकली होती है, जो शरीर पर नुकीली या नुकीली शल्कों से पहचानी जाती है।
वैज्ञानिक नाम: "सलेआ हॉर्सफ़ील्डि।"
पर्यावास: यह आमतौर पर भारत के पश्चिमी घाट, विशेषकर नीलगिरि पहाड़ियों में पाई जाती है।
बनावट : इस छिपकली की विशेषता इसके कांटेदार और बनावट वाले ज्यामितिक रेखांकन (spiny and textured scales)हैं, जो इसे एक अनोखा रूप देते हैं। इसके ऊपर उपस्थित कांटे सुरक्षा के रूप में और विशिष्ट विशेषता दोनों के रूप में काम करते हैं।
संरक्षण महत्व: दक्षिण वायनाड वन प्रभाग में नीलगिरि स्पिनी लिजार्डकी उपस्थिति इस क्षेत्र के संरक्षण महत्व को उजागर करती है, क्योंकि यह सरीसृपों की कई अनोखी और दुर्लभ प्रजातियों का घर है।
जैव विविधता हॉटस्पॉट: पश्चिमी घाट को वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो क्षेत्र के संरक्षण प्रयासों के लिए स्पिनी लिजार्ड जैसी प्रजातियों की उपस्थिति को महत्वपूर्ण बनाता है।
संरक्षण के प्रयास: इस अनोखी और स्थानिक प्रजाति के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए संरक्षण पहल और स्पिनी लिजार्ड के आवास की सुरक्षा आवश्यक है।

कोणार्क मंदिर का पहिया

कोणार्क मंदिर का पहिया:

- यह ओडिशा के सूर्य मंदिर के कोणार्क पहिया की प्रतिकृति है जिसका उपयोग जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधान मंत्री द्वारा स्वागत के लिए पृष्ठभूमि के रूप में किया गया था।
- इसका निर्माण 13वीं शताब्दी में राजा नरसिम्हादेव-प्रथम के काल में हुआ था।
- इसमें 24 तीलियाँ हैं और यह भारत की बुद्धि, सभ्यता और प्रगति का प्रतीक है।

कोणार्क सूर्य मंदिर:

- यह भारत के पूर्वी तट पर स्थित है, यह कलिंगन मंदिर वास्तुकला का उदाहरण है।
- 1984 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित।
- 'कोणार्क' की उत्पत्ति 'कोना' (कोना) और 'अर्का' (सूर्य) से हुई है, जो सूर्य से संबंधित है।
- यह हिंदू मंदिर वास्तुकला की कलिंग या उड़ीसा शैली का अनुसरण करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

11 September, 2023

अफ्रीकी संघ

एयू की G20 सदस्यता:

- अफ्रीकी संघ (एयू) अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच जी20 का सदस्य बन गया है।
- भारत के प्रस्ताव के द्वारा इसे जी20 में शामिल किया गया, जिससे अफ्रीका के बढ़ते वैश्विक महत्व पर प्रकाश पड़ा।

अफ्रीकी संघ (एयू) का गठन:

- एयू एक अंतरसरकारी संगठन है जिसमें 55 अफ्रीकी सदस्य देश शामिल हैं।
- इसकी स्थापना 1963 में स्थापित अफ्रीकी एकता संगठन (OAU) के बाद 2002 में की गई थी।

अफ्रीकी एकता संगठन (OAU) का फोकस:

- OAU का मुख्य उद्देश्य यूरोपीय औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने में अफ्रीकी देशों की सहायता करना, मुक्ति आंदोलनों को राजनयिक और तार्किक सहायता प्रदान करना था।

OAU की सीमाएँ: OAU ने अपने सदस्य देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक एकीकरण को प्रभावी ढंग से बढ़ावा नहीं दिया, जिसके कारण 1990 के दशक के मध्य में सुधार हुए और AU की स्थापना हुई।

एयू के उद्देश्य: एयू का उद्देश्य अफ्रीकी देशों के बीच एकता, सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना, चुनौतियों का समाधान करना और शांति, स्थिरता और मानवाधिकारों को आगे बढ़ाना है।

एयू की उपलब्धियाँ: 2021 में लॉन्च किया गया अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

Su-30 फाइटर जेट

हाल ही में, म्यांमार को एक अनुबंध के तहत रूस से दो Su-30 लड़ाकू विमान प्राप्त हुए हैं।

Su-30SME फाइटर जेट: Su-30SME मल्टी-रोल फाइटर जेट को विभिन्न उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें हवाई लक्ष्यों पर हमला करना, हवाई टोही, लड़ाकू तैनाती और पायलट प्रशिक्षण शामिल हैं। यह रूस के रक्षा निर्यात पोर्टफोलियो का हिस्सा है।

अनुबंध पर हस्ताक्षर: सितंबर 2022 में, रूस और म्यांमार ने कुल छह Su-30SME लड़ाकू जेट की आपूर्ति के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

अमेरिकी चिंताएँ: संयुक्त राज्य अमेरिका ने म्यांमार के सैन्य शासकों के लिए रूस के समर्थन के बारे में चिंता व्यक्त की है, उसने इसे अस्थिर व्यवस्था और म्यांमार में चल रहे संघर्ष में योगदान देने वाला माना है।

भांग

- भांग कैनाबिस सैटिवा की एक किस्म है जिसकी खेती औद्योगिक और औषधीय प्रयोजनों के लिए की जाती है।
- यह एनडीपीएस अधिनियम जैसे कानूनों द्वारा विनियमित है, जो इसे मादक भांग से अलग करता है।
- इसके मजबूत रेशों के कारण इसका उपयोग कपड़ा, कागज, रस्सियों जैसे निर्माण सामग्री के लिए किया जाता है।
- इस भांग में संभावित चिकित्सीय लाभ वाले सीबीडी जैसे यौगिक होते हैं।
- इसका उपयोग मिट्टी से प्रदूषक तत्वों को हटाने के लिए भी किया जाता है।
- हेम्प (जिसे गांजा, चरस या भांग कहा जाता है) के बीज प्रोटीन, फैटी एसिड और विटामिन से भरपूर होते हैं।
- इसके लिए न्यूनतम पानी और कीटनाशकों की आवश्यकता होती है, यह तेजी से बढ़ता है और विभिन्न जलवायु के लिए उपयुक्त है।
- इसे कानूनी प्रतिबंधों, मादक पदार्थ भांग के साथ भ्रम और सार्वजनिक धारणाओं का सामना करना पड़ता है।

समाचारों में स्थान

मोरक्को

मोरक्को: (राजधानी: रबात)

8 सितंबर, 2023 को मोरक्को के हाई एटलस पर्वत पर 6.8 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया, जिससे बड़े पैमाने पर विनाश हुआ और जानमाल की हानि हुई।

भौगोलिक स्थिति: उत्तरी अफ्रीका में स्थित, मोरक्को की सीमा पूर्व में अल्जीरिया के साथ लगती है और पश्चिम में अटलांटिक महासागर तथा उत्तर में भूमध्य सागर के साथ तटीय सीमाएँ हैं।

भौतिक विशेषताऐं:

एटलस पर्वत: ये पर्वत उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम तक फैले हुए हैं, जो उच्च एटलस, मध्य एटलस और एंटी-एटलस श्रेणियों में विभाजित हैं।

रिफ़ पर्वत: यह उत्तर में भूमध्यसागरीय तट के साथ स्थित है, जो अपने ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र के लिए जाना जाता है।

सहारा रेगिस्तान: यह दक्षिण-पूर्व क्षेत्र को कवर करता है, जो अपने शुष्क परिदृश्य एवं अत्यधिक तापमान के लिए जाना जाता है।

POINTS TO PONDER

- **G20 नेताओं के साथ वेलकम हैंडशेक की पृष्ठभूमि क्या थी ?** - कोणार्क सूर्य मंदिर का पहिया
- **टोंगा-केरमाडेक द्वीप ज्वालामुखी आर्क किस प्लेट सीमा पर स्थित है?** - प्रशांत और इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट
- **अलग-अलग मातृभाषा वाले यादृच्छिक समूह से चुने गए दो लोगों की प्रायिकता के माप को क्या कहा जाता है?** - ग्रीनबर्ग का विविधता सूचकांक(Greenberg's Diversity Index)
- **G20 समूह का नवीनतम सदस्य कौन बन गया है?** - अफ्रीकी संघ
- **मुस्तफा हजरुलाहोविच मेमोरियल टूर्नामेंट किस खेल से संबंधित है?** – मुक्केबाज़ी